कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MHD–14

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा जून, 2024

एम.एच.डी.–14 : हिन्दी उपन्यास—I

(प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)

समय : 2 घण्टे अधिकतम अंक : 50

नोट : *प्रश्न क्र. 1 अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10 =20

(क) विचारों की स्वतंत्रता विद्या, संगीत और अनुभव पर निर्भर होती है। सदन इन सभी गुणों से रहित था। यह उसके जीवन का वह समय था, जब हमको अपने धार्मिक विचारों पर, अपनी सामाजिक रीतियों पर एक अभिमान-सा होता है। हमें उनमें कोई त्रुटि

नहीं दिखाई देती, जब हम अपने धर्म के विरुद्ध कोई प्रमाण या दलील सुनने का साहस नहीं कर सकते, तब हममें क्या और क्यों का विकास नहीं होता।

(ख) गायत्री–उन देशों की बात न चलाइए, वहाँ के लोग तो विवाह को केवल सामाजिक सम्बन्ध समझते हैं। आपने ही एक बार कहा था कि वहाँ कुछ ऐसे लोग हैं जो विवाह–संस्कार को मिथ्या समझते हैं। उनके विचार में स्त्री–पुरुषों की अनुमति ही विवाह है, लेकिन भारतवर्ष में कभी इन विचारों का आदर नहीं हुआ।

(ग) जीवन–सूत्र कितना कोमल है। वह क्या पुष्प से कोमल नहीं, जो वायु के झोंके सहता है आर मुरझाता नहीं ? क्या वह लताओं से कोमल नहीं, जो कठोर वृक्षों के झोंके सहती और लिपटी रहती हैं ? वह क्या पानी के बबूलों से कोमल नहीं, जो जल की तरंगों पर तैरते हैं, और टूटते नहीं ?

संसार में और कौन-सी वस्तु इतनी कोमल इतनी अस्थिर, इतनी सारहीन है जिससे एक व्यंग्य, एक कठोर शब्द, एक अन्योक्ति भो दारुण, असहय, घातक है।

(घ) जीवन क्या, एक दीर्घ तपस्या थी, जिसका मुख्य उद्दश्य कर्त्तव्य का पालन था ? क्या रतन उनका जीवन सुखी न बना सकती थी ? क्या एक क्षण के लिए कठोर कर्त्तव्य की चिंताओं से उन्हें मुक्त न कर सकती थी ? कौन कह सकता है कि विराम और विश्राम से यह बुझने वाला दीपक कुछ दिन और न प्रकाशमान रहता। लेकिन उसने कभी अपने पति के प्रति अपना कर्त्तव्य ही न समझा।

2. "प्रेमचन्द अपने विचारों में अत्यन्त प्रगतिशील और मानवधर्मी थे।" इस कथन पर तर्कसंगत विचार कीजिए।

10

3. ज्ञानशंकर की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

10

4. 'रंगभूमि' का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 10

5. 'गबन' के औपन्यासिक शिल्प का विश्लेषण अपने शब्दों में लिखिए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) प्रेमचन्द की हिन्दी कहानियाँ

(ख) 'सेवासदन' में विधवा-समस्या

(ग) 'रंगभूमि' में सूरदास का स्थान एवं महत्व

(घ) 'गबन' की भाषा